

CD 1

1. AKT

| | | |
|--|----|-------|
| Ouvertüre | 1 | 07:30 |
| No. 1 Duett: Alles ruht in süßem Schlummer | 2 | 02:50 |
| No. 2 Terzett mit Chor: Holla! Holla! Hier steckt er, ja, ja! | 3 | 06:18 |
| No. 3 Rezitativ und Arie: O Himmel! | 4 | 07:08 |
| No. 4 Quartett: Nein, das ist nicht auszustehn! | 5 | 06:39 |
| No. 5 Finale: Laut ertönt der Jubelklang | 6 | 13:45 |
| Beifall / Applause | 7 | 00:44 |
| 2. AKT | | |
| No. 6 Arie mit Chor: Nur stille, stille, leise, leise, liebe Leute | 8 | 03:22 |
| No. 7 Quartett mit Chor: Was muss ich seh'n? | 9 | 11:59 |
| Beifall / Applause | 10 | 00:36 |

Total Time CD 1:

60:51

CD 2

| | | |
|---|----|-------|
| No. 7a Marsch | 1 | 00:22 |
| No. 8 Arietta: Wenn alle Götter sich verbinden | 2 | 02:52 |
| Beifall / Applause | 3 | 00:19 |
| No. 9 Quintett: Der Liebe Zepter lege dann ich wieder | 4 | 05:37 |
| No. 10 Duett: Tausend! Das ist ja'ne Tücke der Hölle | 5 | 03:07 |
| Beifall / Applause | 6 | 00:43 |
| 3. AKT | | |
| No. 11 Rezitativ und Arie: Schon naht der Abend | 7 | 08:10 |
| Beifall / Applause | 8 | 00:24 |
| No. 12 Arie: Was Tausend! Alles flieht vor mir | 9 | 02:59 |
| Beifall / Applause | 10 | 00:15 |
| No. 13 Quartett: Ja dieser Mann voll Gnad' und Huld | 11 | 04:37 |
| No. 14 Finale: Sie kennen schon die süßen Triebe | 12 | 14:36 |
| Beifall / Applause | 13 | 00:49 |

Total Time CD 2:

44:50